ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

Study Material-2
CLASS – IX

SUBJECT – HINDI
CHAPTER NAME- वापसी

F.M. –20
DATE-05.05.2020

---

1. सभी प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर याद कीजिए।

क. गजाधर बाबू को अपना सामान क्यों बंधना पड़ा था? +2

उत्तर . 35 वर्षों की रेलवे में सेवा के बाद गजाधर बाबू रिटायर्ड थे। इतने वर्ष उन्होंने परिवार से अलग अकेले ही बिताए थे । अब वे अपने बच्चे हुए सामान को पत्नी और बच्चों के साथ गुजारना चाहते थे इसलिए वे घर जा रहे थे। जिसके कारण उनका सामान बंधा हुआ था।

ख. गजाधर बाबू अपने परिवार से दूर क्यों रहे? +2

उत्तर. गजाधर बाबू रेलवे स्टेशन मास्टर थे। उनकी बदली राय छोटे स्टेशनों पर होती रहती थी। बच्चों की पढाई में बाधा ना पहुंचे इसलिए पत्नी बच्चों के साथ शहर में रहती थी।

ग. पत्नी के जाने के बाद गाजर बाबू का दिन कैसे बिकता था? +2

उत्तर. पत्नी के जाने के बाद उनके जीवन में गहन सुनापन छा जाता था खालीपन में उनसे घर मिट्टी का न जाता उन्हें बार बाद पत्नी का प्रेम पूर्णता पेट भरे रहने पर भी खाने की जिद करना याद आता उन्हीं यादों के सहारे भी अपना जीवन काट लेते थे।

घ. गजाधर बाबू ने स्थिति को सहज करने के लिए क्या किया? +2

उत्तर.गजाधरबाबू ने स्थिति संभालने की घर से मुस्कुराते हुए पूछा क्या हो रहा था । नरेंद्र ने सिटपिटाकर कहां कुछ नहीं बाबूजी और चाय पीकर खिसक लिया। बहू भी उठकर चली गई थी । चौके में बैठी बसंती से उन्होंने चाय का एक प्याला देने के लिए कहा उन्हें थोड़ा खराब तो लग रहा था पर सहजता से उन्होंने पत्नी के लिए पूछा ।

ङ०. नाश्ते का इंतजार करते हुए गजाधरबाबू को क्या याद आया? +2

उत्तर. चाय नाश्ते का इंतजार करते वक्त गजाधरबाबू को गणेश की याद आई रोज सुबह पैसेंजर आने से पहले वह गरम- गरम पुड़िया और जलेबी बनाता था गजाधर बाबू जब तक तैयार होते गणेशी उनके लिए जलेबियां चाय रख देता था । चाय कांच के गिलास में ऊपर तक भरी हुई मलाईदार करतीं थी।

च. उषा प्रियंवदा का परिचय दीजिए? +3

उत्तर. जीवन परिचय- लेखिका का जन्म 24 दिसंबर 1930 को हुआ है। कानपुर में जन्मी उषा प्रिय वंदना ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम .ए तथा पी.एच.डी कि पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्यापन किया।

रचनाएं- वनवास, कितना बड़ा झूठ ,जिंदगी और गुलाब, मेरी प्रिय कहानियां संपूर्ण कहानियां ।

छ. गाजाधर बाबू के लिए मुख्य क्या था? +2

उत्तर. गजाधर बाबू ने धन-दौलत को कभी प्राथमिकता नहीं दी। उनके लिए तो परिवार का एक होकर दुख सुख बात ना ही प्रमुख था पत्नी को अभाव था , किंतु उन की हैसियत का अंदाजा करके एक सहानुभूति का भाव पत्नी में होना चाहिए था। उसकी कमी उनको बहुत खटकी। अगर पत्नी स्थिति को सुधारने के लिए उन से राय करती तो उन्हें बहुत संतोष होता।

ज. वापसी कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए? +5

उत्तर. कहानी हमेशा ही विशेष प्रस्तुति में मानव मन और उसके अनुभव को समझने का प्रयत्न है। व्यक्ति और व्यक्ति के मध्य सामाजिक संबंधों की इकाई है परिवार। सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं ने मानव के पारस्परिक संबंधों में बदलाव उपस्थित कर दिया है। अवकाश प्राप्त करने के पश्चात व्यक्ति के अकेले पन को उषा प्रियंवदा ने बड़ी मनोवैज्ञानिकता से प्रस्तुत किया है। वापसी कहानी एक रिटायर्ड आदमी की है । गजाधर बाबू रेलवे में एक छोटे स्टेशन के स्टेशन मास्टर थे ।35 साल की लंबी नौकरी के बाद वे रिटायर्ड होकर घर लौटे सारा जीवन अकेले बिताया घर से दूर और परिवार से एकदम अलग आशा थी। अंतिम समय सुख और स्नेह से बीतेगा घर में सभी थे पत्नी पुत्री बहू आदि सब कुछ उन्हीं का बनाया हुआ था लेकिन वह परिवार में फिट नहीं हो सके हताशा और निराशा के साथ कुछ ही दिनों में वापस लौट पड़े उसे जगह जहां वे स्टेशन मास्टर थे। वहीं उन्होंने एक चीनी मिल में नौकरी कर

ली गजाधर बाबू की वापसी पर किसी की आंख में आंसू नहीं था। अंतिम सहारा पत्नी का था जिसने इंकार कर दिया।

वापस से एक सार्थक से शक है। गजाधर बाबू अपनेपन और स्नेह की तलाश में रिटायर्ड होकर वापस आए हैं और अकेलापन उन्हें वापस लौट वापस जाने के लिए बाध्य करता है परिवार की बेरुखी उन्हें वापस अकेले पन की और लौटा देती है।

Sonia Gupta